टिप्पणी

2

वस्तु-चित्रण

लक्ष्य

आकार, परिद श्य और छाया के आधार पर मानव–निर्मित वस्तुओं का ड्राइंग और पेंटिंग सीखना।

भूमिका

किसी भी कला के कार्य में उस कला के कार्य का प्रत्यक्ष ज्ञान बहुत महत्वपूर्ण है। एक कलाकार उस वस्तु के निरंतर अभ्यास से उस प्रत्यक्ष ज्ञान को अर्जित कर सकता है। यह बहुत आवश्यक है कि मानव–निर्मित वस्तुओं को बिल्कुल सामने रखकर उनका अध्ययन किया जाय। उस वस्तु की रेखाओं और रंगों के साथ उसकी आकृति, आकार और रूप–रेखा का चित्रण किया जाना चाहिए। साधारण ज्यामितीय आकारों के आधार पर वस्तुओं के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करना कुछ आधारभूत और विशेष कदम हैं जिन्हें रंगों और छायाओं के प्रयोग से नया आयतन या आकार दिया जा सकता है। इस प्रकार के अभ्यास से कलाकार को मानव–निर्मित वस्तुओं की बुनावट, संतुलन, आकार और अनुपात को बारीकी से देखने में सहायता मिलती है।

उद्देश्य

इस प्रयोगात्मक अभ्यास को पूरा करने के बाद, आपः

- वस्तुओं के मूल आकारों की भिन्नता के बीच अंतर बता सकेंगे;
- वस्तुओं के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान के आधार पर उनके वास्तविक स्वरूप के साथ उनका चित्रण कर सकेंगे; और
- वस्तुओं को आनुपातिक सापेक्ष रंग, प्रकाश, छाया और बुनावट दे सकेंगे।
  पेंसिल या स्याही के साथ तीन मूल आकारों को चित्रित करें।
  उदाहरण के लिए : व त्त (1), वर्ग (2), त्रिभुज (3)

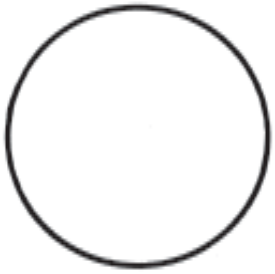

चित्र 1

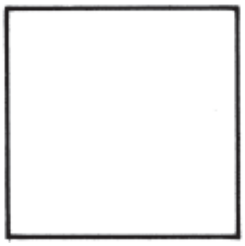

चित्र 2

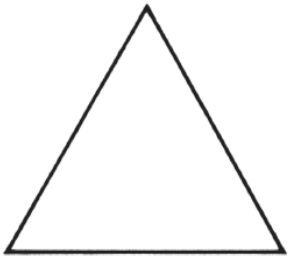

चित्र 3

गोलाकार वस्तुओं को आप व त्त से चित्रित कर सकते हैं।

चित्र 4

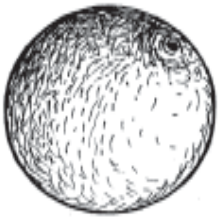

चित्र 5

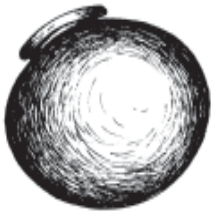

चित्र 6

चित्र 7

आप वर्ग के साथ चौकोर और आयताकार वस्तुओं को चित्रित कर सकते हैं।

चित्र 8

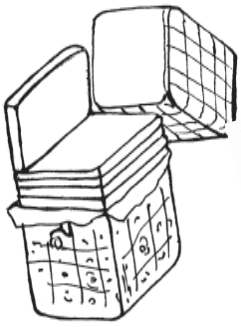

चित्र 9

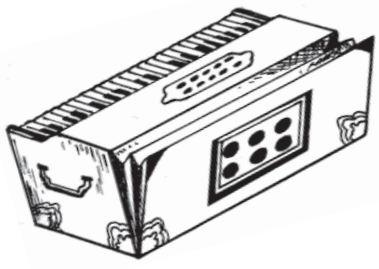

चित्र 10

आप त्रिभुज से त्रिकोणीय वस्तुओं को चित्रित कर सकते हैं।

चित्र 11

चित्र 12

चित्र 13

आप इन चित्रों को पेंसिल अथवा स्वच्छ जल रंगों तथा तैलीय पेस्टल रंगों से प्रकाश और छाया में बना सकते हैं।

चित्र 14
प्रकाश और छाया

चित्र 15
जल–रंग

चित्र 16
जल रंग

चित्र 17
तैलीय पेस्टल

इससे पहले कि आप जड़ पदार्थों/वस्तुओं का चित्रण पेन और स्याही में करें, यह निश्चित कर लें कि प्रकाश और छाया के प्रभाव को पाने के लिए आप किस प्रकार की रेखीय छाया उस वस्त को देंगे।

चित्र 18

उक्त चित्र (संख्या 18) में वस्तु को बिंदुओं के द्वारा बनाया गया है। इसे बिंदु–चित्रण (Stiplling) तरीका भी कहते हैं। वस्तु का संपूर्ण स्वरूप, प्रकाश और छाया बिंदुओं के द्वारा ही प्राप्त किया जाता है। अपनी पेंसिल का हल्का प्रयोग कर वस्तु के सही आकार को चित्रित करें।

वे क्षेत्र जहां अंधेरा है, वहां बिंदुओं को परस्पर पास लाइए जिससे लगभग काले धब्बे जैसे लगें। धीरे–धीरे मध्यम रंग–संगति (Tone) की तरफ बढ़ें जहां बिंदु परस्पर इतने पास नहीं हैं। बिंदुओं को एक दूसरे से अलग रखकर विशिष्ट क्षेत्रों को दिखाया जा सकता है लगभग काले स्थान की तरह।

चित्र 19

उक्त चित्र (सं. 19) में वस्तु को सीधी समानांतर रेखाओं के द्वारा बनाया हुआ दिखाया गया है। वस्तु का संपूर्ण स्वरूप और प्रकाश और छाया का प्रभाव छोटी और तेज क्षैतिज रेखाओं के द्वारा प्राप्त किया गया है।

वस्तु के मूल आकार को पाने के लिए पहले पेंसिल से हल्की रेखाओं से चित्रण करें। फिर अपने पेन से अंधेरे क्षेत्रों के लिए क्षैतिज रेखाओं को परस्पर पास–पास लाएं। विशिष्ट क्षेत्रों को खाली छोड़ा जा सकता है।

चित्र 20

उक्त चित्र (सं. 20) में वस्तु को आड़ी–तिरछी रेखाओं को खींचकर बनाया हुआ दिखाया गया है। इसे रेखाच्छादन (Hatching) भी कहा जाता है। यहां रेखाएं आड़े–तिरछे एक दूसरे के ऊपर लिपटते हुए हैं। अंधेरे क्षेत्रों को दिखाने के लिए इन रेखाओं को परस्पर पास लाया गया है और विशिष्ट क्षेत्रों को खाली छोड़ा गया है।

चित्र 21

रंगीन पेंसिल से वस्तु–संयोजन

अभ्यास

(1) बिना किसी उपकरण की सहायता से विभिन्न स्वरूपों में मुक्त हाथ से पेंसिल से तीन मूल आकार चित्रित करें।

(2) व त्त की सहायता से तरबूज, संतरा, सेब जैसी वस्तुओं का चित्रण करें और पेंसिल से प्रकाश और छाया देकर पूरा करें।

(3) झोंपड़ी, आइसक्रीम, फूलदान जैसी त्रिकोणीय वस्तुओं का चित्रण करें और उनमें पेस्टल रंग भरें।

(4) टेबल, टेलीविजन या लंच बॉक्स का चित्रण करें और उन्हें जल–रंगों से पूरा करें।